प्राथमिक अंग्रेज़ी

गीत, कविताएँ और शब्द खेल

भारत में विद्यालय आधारित समर्थन के माध्यम से शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

संदेश

शिक्षकों को बाल केंन्द्रित कक्षा अभ्यास की ओर उन्मुख करने तथा शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को सम्मुख रखते हुए TESS-India राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत है। इस दिशा में TESS-India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) का विकास किया गया है । ये संसाधन शिक्षकों तथा शिक्षक–प्रशिक्षकों के वृत्ति विकास (Professional development) में लाभकारी एवं उपयोगी सिद्ध होंगे। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के नेतृत्व में इन संसाधनों का स्थानीयकृत किया गया है, जिसके अन्तर्गत इनके उद्देश्य के मूल को बरकरार रखते हुए इनमें स्थानीय, भाषा, बोली, प्रथाओं, संस्कृतियों तथा नियमों को सम्मिलित किया गया है। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता एवं सुगमता पूर्वक किया जा सकता है ।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के मार्गदर्शन में TESS-India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) नेट पर आप सभी के लिए सुलभ उपलब्ध है ।

शुभकामनाओं सहित ।

(डॉ0 मुरली मनोहर सिंह)
निदेशक
एस0सी0ई0आर0टी0, बिहार

समीक्षा एवं दिशाबोध
डॉ. मुरली मनोहर सिंह, निदेशक राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. सैयद अब्दुल मोईन, विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. क़ासिम खुर्शीद, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्
डॉ. इम्तियाज़ आलम, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. स्नेहाशीष दास राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. अर्चना, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. रीता राय, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
श्री तेज नारायण प्रसाद, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

स्थानीयकरण
भाषा और शिक्षा
डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, प्राचार्य, मैत्रेय कॉलेज ऑफ एडुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर, वैशाली
श्री सुमन सिंह, प्रखंड साधनसेवी, भगवानपुर हाट, सिवान
श्री कात्यायान कुमार त्रिपाठी, प्राथमिक विद्यालय चैलीटाल, पटना
श्री कृत प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, हिलसा, नालंदा
प्राथमिक अंग्रेज़ी
श्री अरशद रज़ा, सहायक शिक्षक, प्राथमिक विद्यालय, पचासा रहुई, नालंदा
श्री संतोष सुमन, सहायक शिक्षक, बालिका उच्च विद्यालय, महुआबाग
श्री शशि भूषण पाण्डेय, सहायक शिक्षक, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, मुकुन्दपुर, नालंदा
श्रीमती रचना त्रिवेदी, शिक्षिका, नोट्रेडेम अकादमी, पटना
माध्यमिक अंग्रेज़ी
श्री मणिशंकर, प्रधानाध्यापक, तारामणी भगवानसाव उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोइलवर, भोजपुर
डॉ. ब्रजेश कुमार, शिक्षक, पी. एन. एंग्लो संस्कृत माध्यमिक विद्यालय, नया टोला, पटना
प्राथमिक गणित
श्री कृष्ण कान्त ठाकुर
श्री दिलीप कुमार, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, बुलनी हैदरपुर, नालंदा
श्री गोविन्द प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, चनपटिया, पश्चिमी चम्पारण
माध्यमिक गणित
डॉ. राकेश कुमार, भागलपुर डायट
श्री रिज़वान रिज़वी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सिलौटा चाँद, कैमूर
श्री इन्द्रभूषण कुमार, शिक्षक, सहयोगी माध्यमिक विद्यालय, हाजीपुर, वैशाली
प्राथमिक विज्ञान
श्री मनोज त्रिपाठी, प्रखंड साधनसेवी, बरहारा, भोजपुर
श्री शशिकान्त शर्मा, प्रखंड साधनसेवी, आरा, भोजपुर
श्री रणबीर सिंह, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, आदर्श आवासीय मध्य विद्यालय शिक्षक संघ, सहरसा
माध्यमिक विज्ञान
श्री जी.वी.एस.आर प्रसाद
श्री मुकुल कुमार, शिक्षक, सहायक शिक्षक, गोरखनाथ सूर्यदेव माध्यमिक विद्यालय, राजापाकर वैशाली

TESS-India (Teacher Education Through School Based Support) का लक्ष्य है भारत में मुक्त शैक्षिक संसाधनों के द्वारा प्राथमिक और माध्यमिक स्तरों पर शिक्षकों के कक्षा अभ्यासों को बेहतर करना। ये संसाधन शिक्षकों के छात्र–केन्द्रित, भागीदारी दृष्टिकोण को विकसित करने में सहायता करेंगे।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Education Resources – OERs) शिक्षकों को थ्वद्यालय की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं। ये संसाधन शिक्षकों के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं जो वे कक्षा में अपने छात्र–छात्राओं के साथ कर सकते हैं। साथ ही इनमें केस स्टडी भी हैं जो ये दर्शाते हैं कि किस प्रकार दूसरे शिक्षकों ने उस विषय को सिखाया है। संबंधित संसाधन शिक्षकों को पाठ योजना बनाने में और विषय पर ज्ञान वर्धन करने में उनकी सहायता करते हैं।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल हैं। ये भारतीय तथा अतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किये गये हैं और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध है (http://www.tess-india.edu.in) / मुक्त शैक्षिक संसाधन अनेकों संस्करणों में उपलब्ध हैं जो प्रत्येक राज्य के लिए उपयुक्त है जहाँ TESS India कार्यरत है। उपयोगकर्ता इन संसाधनों को अनुकूल और स्थानीयकृत करने के लिए स्वतंत्र हैं ताकि ये स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को पूरा कर सकें।

TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई की कुछ गतिविधियों के साथ निम्न प्रतीक का उपयोग किया गया है: *. इससे संकेत मिलता है कि निर्दिष्ट अध्यापन संबंधी थीम के लिए TESS-India वीडियो संसाधनों को देखना आपके लिए उपयोगी होगा।*

TESS-India वीडियो संसाधन भारत में अनेक प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में मुख्य अध्यापन तकनीकों का वर्णन करते हैं। हमें आशा है कि वे आपको इसी प्रकार के अभ्यासों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। उनका उद्देश्य पाठ (टेक्स्ट) पर आधारित इकाइयों के माध्यम से काम करने के आपके अनुभव का पूरक होना और उसे बढ़ाना है।

TESS-India वीडियो संसाधनों को ऑनलाइन देखा या TESS-India की वेबसाइट, http://www.tess-india.edu.in/ से डाउनलोड किया जा सकता है। वैकल्पिक रूप से, आप ये वीडियो सीडी या मेमोरी कार्ड के माध्यम से भी देख सकते हैं।

संस्करण 2.0 EE02v2
Bihar

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है
http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

यह इकाई इस बारे में है कि आप किस तरह अंग्रेज़ी भाषा सीखने की प्रक्रिया को अपने छात्र–छात्राओं के लिए एक मज़ेदार अनुभव बना सकते हैं। भाषा सीखने की क्रिया का तनावपूर्ण होना आवश्यक नहीं है, और यह तनावपूर्ण होना भी नहीं चाहिए, विशेषकर विद्यालय के प्रारंभिक वर्षों में।

छात्र–छात्राएँ, गाना, गुनगुनाना, दोहराना, ध्वनियाँ निकालना और ऐसे निरर्थक शब्द बनाना पसंद करते हैं जिनके कोई अर्थ नहीं होते। यह केवल मनोरंजन की बातें नहीं है – यह वास्तव में भाषा सीखने की ही क्रिया है। गीत, कविताएँ और शब्द खेल 'पठन पूर्व' गतिविधियाँ हैं। अंग्रेज़ी की ध्वनियों को सुनने और इनका अभ्यास करने से छात्र–छात्राएँ लिखित पृष्ठ पर इन ध्वनियों को पहचानने और पढ़ने के लिए तैयार हो जाते हैं।

आप इस इकाई में सीख सकते हैं

- अंग्रेज़ी के पूर्व–पठन कौशल के संकेतकों/सूचकों की पहचान करना।
- छात्र–छात्राओं की अंग्रेज़ी का विकास करने के लिए गीतों औरतुकबंदियों का उपयोग करना।
- छात्र–छात्राओं की अंग्रेज़ी का विकास करने के लिए कविताओं का उपयोग करना।

1 पूर्व पाठक क्या जानते हैं?

आप यह सोचने के साथ शुरुआत करते हैं कि पूर्व–पाठक भाषा के बारे में क्या जानते हैं, और आपके लिए एक गतिविधि में यह किस तरह काम करता है।

गतिविधि 1: पूर्व–पाठक क्या जानते हैं?

पहले नीचे संजय के बारे में एक संक्षिप्त वर्णन पढ़ें। इसके बाद आगे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें।

संजय की उम्र चार वर्ष है। उसे तुकबंदी वाले खेल और तुकबंदी वाले चुटकुले पसंद हैं, भले ही वह उनके अर्थ पूरी तरह नहीं समझता है। उदाहरण के लिए, उसे अपने बड़े भाइयों के साथ शब्द खेल खेलना पसंद है:

प्र: मुरली की फिंगर (finger) को क्या कहते हैं? उ: उंगली (finger)

प्र: उसकी पत्नी की बहन को क्या कहते हैं? उ: साली (sister-in-law/अपमानजनक शब्द)

प्र: उसके बगीचे में कौन काम करता है? उ: माली (gardener)

प्र: मुरली की पसंदीदा सब्जी कौन–सी है? उ: मूली (radish)

प्र: मुरली का पसंदीदा नाश्ता कौन–सा है? उ: मूँगफली (groundnut)

प्र: ... त्यौहार? उ: दीवाली

प्र: ... संगीत? उ: कव्वाली

प्र: ... फिल्म? उ: कुली

प्र: ... जानवर? उ: बिल्ली (cat)

प्र: ... दिमाग? उ: तुम्हारा! क्योंकि ये है खाली (empty)!

अब इन प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

- आपके अनुसार संजय और उसके भाइयों को यह खेल खेलना क्यों अच्छा लगता होगा?
- इसे खेलने के लिए उनके पास क्या जानकारी है?
- क्या आप इस खेल के पीछे का नियम पहचान सकते हैं?

- क्या आपको इसी तरह का कोई खेल मालूम है? क्या आप खुद कोई ऐसा खेल बना सकते हैं?

संजय का खेल कल्पनाशील और रचनात्मक है, और साथ ही भोला–भाला और मज़ेदार भी है। यह खेल शब्दावली को विकसित करता है। एक साथ मिलकर ये तत्व बच्चों के लिए सीखना यादगार बना देते हैं। इस खेल के पीछे नियम यह है कि प्रत्येक शब्द की अंतिम ध्वनि एक जैसी होनी चाहिए। प्रत्येक शब्द का कुछ न कुछ अर्थ होना चाहिए और वह परिचित होना चाहिए। जो बच्चे तुकबंदी वाले शब्दों को सुन रहे हैं और अनुमान लगा रहे हैं, वे महत्वपूर्ण पठन–पूर्व कौशल सीख रहे हैं। वे भाषा की ध्वनियाँ सुन रहे हैं और आगे चलकर इन ध्वनियों का लिखित शब्दों के साथ मिलान करेंगे।

ज़रा सोचिए

- अपनी कक्षा के छात्र–छात्राओं के बारे में सोचें। क्या वे अपनी स्वयं की भाषा में या अंग्रेज़ी में तुकबंदी या छोटी कविताएँ जानते हैं? क्या वे भाषा का कोई खेल खेलते हैं? क्या वे एक जैसी ध्वनियों वाले शब्द पहचान सकते हैं?

	इस तरह के शब्द–खेल/ध्वनि खेल के लिए SCERT , बिहार द्वारा विकसित Radiance part II के पाठ संख्या–01 (पेज 5) एवं पाठ संख्या 16 (पेज 137) का उपयोग करें।

2 कविता गाना

अब इस गतिविधि का प्रयास करें।

गतिविधि 2: कविता गाना

ऐसी कई छोटी कविताएँ हैं, जिन्हें याद रखना सरल है। कविताएँ भाषा की ध्वनियों से छात्र–छात्राओं का परिचय करवाने का एक अच्छा तरीका हैं, भले ही इनके शब्द शुरू में अपरिचित हों। इससे एक मज़ेदार तरीके से भाषा सीखने का प्रोत्साहन मिलेगा। इस गतिविधि में, आप अपनी कक्षा में सिखाने के लिए एक छोटी कविता चुनेंगे।

यहाँ हिन्दी में एक तुकबंदी है। क्या आप एक जैसी ध्वनियों वाले शब्द पहचान सकते हैं?

अक्कड़ बक्कड़ बम्बे बो,
अस्सी नब्बे पूरे सौ,
सौ में लगा धागा,
चोर निकल के भागा।

अब संसाधन 1 की कविताएँ पढ़ें। आप शायद इनमें से कुछ से परिचित होंगे। कविताओं के बाद आने वाली संक्षिप्त टिप्पणी पढ़ें।

इनमें से कोई कविता चुनें और इसे ऊँची आवाज़ में पढ़ें। कविता में एक जैसी ध्वनियों वाले शब्द पहचानें।

कविता को याद करने की कोशिश करें और दूसरे व्यक्ति को कविता सुनाएँ। क्या कोई ऐसी क्रियाएँ/हाव–भाव हैं, जो आप कविता पर लागू कर सकते हैं? क्या आप कविता को किसी भी गतिविधि, जैसे एक घेरे में नाचना, के साथ जोड़ सकते हैं?

अब कोई तुकबंदी या गीत चुनें – चाहे संसाधन 1 से या कोई भी ऐसा जिससे आप परिचित हैं – और इसका कक्षा में उपयोग करें। इसे अपने छात्र–छात्राओं के साथ दोहराएँ या गाएँ। आप यह कक्षा के बाहर कर सकते हैं और छात्र–छात्राओं को एक बड़े घेरे में या दो पंक्तियों में रख सकते हैं (चित्र 1)।

चित्र 1: आप यह गतिविधि कक्षा के बाहर कर सकते हैं, जहाँ छात्र–छात्राएँ एक बड़े गोले में या दो पंक्तियों में रहेंगे।

क्या आपको कोई ऐसे छात्र–छात्रा दिखाई दिए, जिन्हें एक जैसी ध्वनियों वाले पैटर्न और एक जैसी ध्वनियों वाले शब्द पहचानने में कठिनाई हो रही है? इसे नोट कर लें – यह सुनने की समस्या का संकेत हो सकता है।

तुकबंदी वाले गीतों के लिए SCERT, बिहार द्वारा विकसित फलक (Class I, part I एवं II) या Blossom part I एवं II के गीतों का उपयोग करें।

सभी भाषाओं में छोटे छात्र–छात्राओं के लिए तुकबंदी होती है। कुछ मज़ेदार होती हैं, कुछ गंभीर होती हैं – और कुछ थोड़ी अशिष्ट हो सकती हैं! इन तुकबंदियों से छात्र–छात्राओं को भाषा का अनुभव मिलता है। चूंकि इन तुकबंदियों को याद करना और दोहराना सरल होता है, इसलिए ये आपके भाषा के छात्र–छात्राओं में वाक्पटुता और आत्मविश्वास जगाती हैं। वे शब्दों की ध्वनियों का ज्ञान भी कराती हैं – जो कि एक महत्वपूर्ण पठन–पूर्व कौशल है। एक छात्र जो किसी भी भाषा की तुकबंदियाँ जानता है, उसमें भाषा और पठन के प्रति आत्मविश्वास, रचनात्मकता और कौशल का विकास होता है।

केस स्टडी 1 में, शिक्षिका को पता चलता है कि उनके छात्र–छात्राएँ तुकबंदियों को पसंद कर रहे हैं। वह उनकी अंग्रेज़ी को विकसित करने के लिए इस रुचि को आगे बढ़ाती हैं।

केस स्टडी 1: सुश्री प्रतिमा अंग्रेज़ी के लिए एक तुकबंदी वाले खेल का उपयोग करती हैं

सुश्री प्रतिमा ने कक्षा दो की उनकी पाठ्यपुस्तक के एक पाठ से एक तुकबंदी वाला खेल विकसित किया।

मैंने पशुओं के बारे में पाठ्यपुस्तक की एक कविता पढ़ाई थी। एक दिन दोपहर में, मैंने देखा कि छात्र बाहर तालियों वाला खेल खेल रहे थे। मैंने सुना कि वे पाठ्यपुस्तक की कविता से भी कुछ शब्द बोल रहे थे। वे अंग्रेज़ी में कुछ ऐसे शब्द भी बोल रहे थे, जो पाठ में नहीं थे। कभी–कभी वे ऐसे शब्द बना रहे थे, जिनके कोई अर्थ नहीं थे, लेकिन वे

अंग्रेज़ी शब्दों की ध्वनियों से मेल खाते थे। वे ऊपर–नीचे कूद रहे थे, एक लय में तालियाँ बजा रहे थे और गुनगुना रहे थे:

'Frog!'
'Log!'
'Dog!'
'Pog!'

उनका खेल मेरे पाठ का हिस्सा नहीं था। मैंने इस बारे में सोचा कि किस तरह मैं तुकबंदी वाले शब्दों के साथ खेल खेलने में उनकी रुचि जगा सकती हूँ।

पाठ्यपुस्तक में अगला पाठ था, 'Our Classroom' मैंने अपनी कक्षा को बताया कि इस पाठ के आधार पर वे 'तुकबंदी वाला बाउल' ('The Bowl that Rhymes') खेल खेलेंगे।

मैंने एक कटोरे में बहुत सारी छोटी–छोटी चीजें रख दीं: एक चॉक का टुकड़ा, एक चम्मच, एक गेंद, एक पेन, एक पिन और एक हैट। इनमें से कुछ वस्तुएँ पाठ्यपुस्तक के पाठ में थीं। अब मैंने छात्र–छात्राओं को समझाया कि मैं अंग्रेज़ी में एक शब्द बोलूँगी, जिसकी ध्वनि कटोरे में रखी किसी वस्तु से मेल खाती होगी। मैंने 'moon', कहा और फिर एक छात्र से कहा कि वह कटोरे से वह वस्तु निकाले जो 'moon' (spoon) की ध्वनि से मेल खाती हो। मैंने सभी वस्तुएँ चुने जाने तक यह जारी रखा।

छात्र–छात्राओं को इस खेल में बहुत मज़ा आया और वे इसे फिर से खेलना चाहते थे। कभी–कभी उन्होंने हिन्दी शब्दों का उपयोग किया और कभी–कभी उन्होंने पूरी तरह खुद ही शब्द बनाए। मैंने इसे स्वीकार किया, बशर्ते कि उनके बनाए हुए शब्द अंग्रेज़ी शब्दों की ध्वनियों से मिलते–जुलते हों।

बाद में उसी सप्ताह, मैंने कक्षा को चार–चार छात्र–छात्राओं के छोटे समूहों में बाँट दिया। प्रत्येक छोटे समूह ने वस्तुओं और चित्र कार्डों का उपयोग करके 'The Bowl that Rhymes' खेल खेला।

अब मैं शब्दावली को बढ़ाने के लिए अंग्रेज़ी की पाठ्यपुस्तक के प्रत्येक अध्याय के लिए एक छोटा तुकबंदी वाला खेल या गतिविधि बनाने की कोशिश करती हूँ। मैं छात्र–छात्राओं से कहती हूँ कि वे जोड़ियों में तुकबंदियों को गाएँ और साथ ही उन तुकबंदियों के अनुरूप हावभाव भी प्रदर्शित करें।

	तुकबंदी वाले शब्दों के खेल विकसित करने के लिए SCERT, बिहार द्वारा विकसित Blossom part 2 के पाठ संख्या 01 (पेज 4), पाठ संख्या 02 (पेज 10), पाठ संख्या 03 (पेज 9), तथा Radiance part II की पाठ संख्या 01 (पेज 5) एवं Raadiance part III की पाठ संख्या 04 (पेज 32) का उपयोग करें।

छात्र–छात्राओं को एक छोटी टीम में काम करने के लिए व्यवस्थित करने के तरीकों के बारे में ज्यादा जानने के लिए संसाधन 2, 'जोड़े में कार्य करना' देखें।

ज़रा सोचिए

- प्रतिमा ने छात्र–छात्राओं के साथ भाषा की मज़ेदार गतिविधि करने का प्रयास किया। उन्होंने यह कैसे जाना कि छात्र–छात्राओं को किसमें मज़ा आता है?
- क्या आपको लगता है कि छात्र–छात्राओं से हिन्दी शब्दों और निरर्थक शब्दों को स्वीकार करने का उनका विचार अच्छा था, बशर्ते कि उनकी ध्वनियाँ अंग्रेज़ी शब्दों के साथ मिलती–जुलती हों?

- छात्र–छात्राओं द्वारा छोटे समूहों में 'The Bowl that Rhymes' गतिविधि करने के लाभ और संभावित कठिनाइयाँ क्या हैं?
- क्या आप प्रतिमा के लिए इस समूह गतिविधि में छात्र–छात्राओं का मूल्यांकन करने के अवसर पहचान सकते हैं?

वीडियोः कहानी सुनाना, गीत, रोल प्ले और नाटक

3 तुकबंदियाँ क्या सिखाती हैं

तुकबंदियाँ अंग्रेज़ी भाषा को स्वतंत्र रूप से उपयोग करने का आत्मविश्वास जगाने में मदद करती हैं। वे छात्र–छात्राओं की शुरुआती शब्दावली बढ़ाने के मज़ेदार तरीके हैं और वे सरल ध्वनि और वाक्य पैटर्न प्रस्तुत करती हैं। यहाँ तुकबंदी का एक उदाहरण है:

One, two, three-four-five
Once I caught a fish alive
Six, seven, eight-nine-ten
Then I let it go again.

कौन–सी शब्दावली, वाक्य पैटर्न और ध्वनि पैटर्न एक दूसरे से मेल खाते हैं? अपने विचारों का हमारे विचारों के साथ मिलान करके देखें:

- तुकबंदी वाले शब्द और ध्वनि पैटर्नः 'five' और 'live', तथा 'ten' और 'again' तुकबंदियाँ हैं। आप इन जोड़ियों के साथ मेल खाने वाले और शब्द सीखने में छात्र–छात्राओं की मदद कर सकते हैं, उदा. 'dive', 'hive' और 'arrive' (वे इस बात पर भी ध्यान दे सकते हैं कि 'give' की ध्वनि 'five' के साथ मेल नहीं खाती), और 'men', 'hen', 'pen', 'when' व 'then'.
- शब्दावलीः एक से दस तक संख्याओं के नाम; 'alive' (मृत का विपरीत); 'again' (फिर एक बार, दोहराना)।
- वाक्य पैटर्नः इनमें शामिल हैं 'let ...' (अनुमति देना, स्वीकृति देना) और 'once ...' (अतीत में हुई किसी घटना के बारे में बात करना)। आप छात्र–छात्राओं को प्रदर्शित करके बता सकते हैं और उन्हें सिखा सकते हैं कि इस तरह के शब्दों को किस प्रकार अलग अलग तरीकों से उपयोग किया जाता है।छात्र–छात्राओं को इस बारे में बात करने के लिए प्रोत्साहित करें कि वे क्या करना चाहते हैं और क्या हुआ है, जिसके लिए उन्हेंlet ...' और 'once ...'. का उपयोग करना चाहिए, उदाहरण के लिए:'Let it go!'; 'Let us out!'; 'Let me play!'; 'Let him read'; 'Let her speak'; 'Let me come in!'; 'Let the baby sleep!'; 'Once upon a time ...'; 'Once I got lost'; 'Once I ate ten rotis!'; 'Once I saw a crocodile'; 'Once I fell down and got hurt'; 'Once I found a baby bird'.

गतिविधि 3: अंग्रेज़ी में तुकबंदियों का उपयोग करना

यह आपके लिए पाठ की तैयारी से पहले एक योजना बनाने की गतिविधि है।

संसाधन 3 पर जाएँ और अपने छात्र–छात्राओं के साथ उपयोग करने के लिए अंग्रेज़ी में कोई छोटी कविता, तुकबंदी या गीत चुनें। आप अपनी अंग्रेज़ी पाठ्यपुस्तक से भी कोई अच्छी तुकबंदी या कविता ढूँढ सकते हैं।

अंग्रेज़ी में बोलने या गाने का अभ्यास करें और इससे जुड़ी क्रियाएँ करने का अभ्यास करें। आपने जो कविता चुनी है,

सुनिश्चित करें कि आप उसमें इन बिन्दुओं को पहचान सकते हैं:

- तुकबंदी वाले शब्द और ध्वनि पैटर्न
- वाक्य पैटर्न
- मुख्य शब्दावली।

अपने छात्र–छात्राओं के साथ तुकबंदी का उपयोग करने की एक योजना बनाएँ। अपने किसी सहकर्मी या प्रधानाध्यापक के साथ योजना की समीक्षा करें।

क्या आप इस कविता को अंग्रेज़ी अध्याय में शामिल करेंगे, या इसे किसी अन्य समय पर लेंगे?

आप यह कहाँ पढ़ाएँगे – कक्षा के अंदर या बाहर?

क्या आप शब्दों के लिए कोई धुन चुन सकते हैं? क्या आप किन्हीं क्रियाओं या हावभावों का उपयोग कर सकते हैं?

आपको किन संसाधनों की आवश्यकता होगी? उदाहरण के लिए, क्या आप इसे समझने में छात्र–छात्राओं की मदद करने के लिए चित्रों या शब्द कार्डों का उपयोग करेंगे?

4 कक्षा में अंग्रेज़ी सिखाने के लिए तुकबंदियों का उपयोग करना

तुकबंदी छात्र–छात्राओं के लिए उनकी अंग्रेज़ी सुधारने का और आपके लिए अंग्रेज़ी बोलने में अपना आत्मविश्वास बढ़ाने का एक मज़ेदार तरीका है।

गतिविधि 4: अंग्रेज़ी सिखाने के लिए तुकबंदियों का उपयोग करना

अगले कुछ अध्यायों में, अंग्रेज़ी में कोई छोटी तुकबंदी या कविता प्रस्तुत करें – आप गतिविधि 3 में स्वयं द्वारा बनाई गई तुकबंदी का उपयोग कर सकते हैं या कोई अन्य तुकबंदी या कविता चुन सकते हैं। ऐसी तुकबंदी चुनें जिसमें सरल क्रिया शब्द (action words) हों। सप्ताह के दौरान इस तुकबंदी को कई बार दोहराएँ। छात्र–छात्राओं को इसे याद करने के लिए एक से ज्यादा बार सुनने की आवश्यकता होगी।

आप विद्यालय के दिन की शुरुआत या समापन एक छोटी तुकबंदी के साथ कर सकते हैं। हर सप्ताह एक छोटी तुकबंदी प्रस्तुत करने की कोशिश करें। आप कक्षा के प्रबंध के लिए छोटी तुकबंदी या गीतों का उपयोग कर सकते हैं, उदाहरण के लिए, छात्र–छात्राओं को एक गतिविधि से दूसरी गतिविधि पर ले जाते समय, या उनका ध्यान आपकी बात पर केंद्रित करने के लिए।

एक जैसी ध्वनियों वाले शब्दों को याद रखने और उपयोग करने में छात्र–छात्राओं की मदद करें। जब किसी भाषा पाठ के लिए उपयुक्त हो, तो छात्र–छात्राओं की मदद पाठ में ऐसे शब्द पहचानने में करें, जिनकी ध्वनियाँ एक जैसी हैं। आप एक जैसी ध्वनियों वाले शब्दों को एक साथ बोर्ड पर लिखकर और पढ़कर सीखने के कार्य को बेहतर बना सकते हैं।

आप तुकबंदी वाले शब्दों को बुलेटिन बोर्ड पर भी लगा सकते हैं, ताकि छात्र–छात्राएँ उन्हें रोज़ पढ़ें। तुकबंदी वाले शब्दों को मोटे अक्षरों में और एक ही रंग में लिखें, ताकि छात्र–छात्राएँ एक जैसी ध्वनियों और शब्दों की समाप्ति को पहचानने के लिए प्रोत्साहित हों।

जब आप छात्र–छात्राओं का मूल्यांकन करते हैं, और उनकी उपलब्धि के रिकॉर्ड तैयार करते हैं, तो उन्हें दर्ज करें, जो एक जैसी ध्वनियों वाले और एक समान ध्वनि पैटर्न वाले शब्दों को पहचान सकते हैं। यह एक महत्वपूर्ण पठन–पूर्व कौशल है। सुनने और ध्वनियाँ पहचानने की क्षमता तथा बाद में पढ़ने की क्षमता के बीच संबंध होता है। जो छात्र–छात्रा वर्ण पैटर्न और शब्दों की ध्वनियों को पहचान लेते हैं वे इस ज्ञान को मुद्रित पृष्ठों पर लागू करना शुरू कर देंगे। इस बारे में अपने अवलोकन रिपोर्ट दर्ज करें कि कौन–से छात्र–छात्रा तुकबंदी वाले शब्दों को आसानी से पहचान लेते हैं

और कौन तुकबंदी वाले शब्दों और पैटर्न का उपयोग करके अपने स्वयं के वाक्य बना लेते हैं। इस बात पर ध्यान दें कि वे अपने मौखिक ज्ञान को मुद्रित शब्दों पर लागू करने की कोशिश कब करते हैं।

बड़े छात्र–छात्राओं को भी तुकबंदियों और शब्दों के साथ खेलने में मज़ा आता है, और इससे उन्हें अपना अंग्रेज़ी का ज्ञान और कौशल बढ़ाने में मदद मिल सकती है। अगली केस स्टडी में शिक्षक अपने छात्र–छात्राओं को अंग्रेज़ी में कविताएँ लिखने के लिए प्रोत्साहन दे रहे हैं।

केस स्टडी 2: श्री दिनेश की कक्षा कविताएँ बनाती है

श्री दिनेश की कक्षा तीन के छात्र अंग्रेज़ी की क्षमता के मामले में अलग अलग स्तरों पर हैं। उन्होंने छात्र–छात्राओं से water *की विषय–वस्तु पर कविताएँ लिखने को कहा।*

मैंने बोर्ड पर कुछ नए शब्द लिखकर शुरुआत की, जिन्हें मैंने 'help words' कहा। जब कक्षा ने 'water' की विषय–वस्तु के बारे में बात की, तो सूची में नए शब्द जुड़ते गए। इन शब्दों को या तो छात्र–छात्राओं की कॉपी में लिखा गया या, कक्षा के 'word box' में रखा गया या बुलेटिन बोर्ड पर प्रदर्शित किया गया।

मैंने छात्र–छात्राओं से उनकी घर की भाषा में उन खेलों के बारे में बात करने को कहा जो वे पानी के साथ खेलते हैं: बारिश के बाद सड़कों के किनारे जमा होने वाले पानी में कूदना; एक–दूसरे पर पानी फेंकना; अपने हाथों में पानी को रोककर रखने की कोशिश करना; छलके हुए पानी को अपनी हथेलियों से थपथपाना; पानी में बुलबुले बनाना आदि। मैंने छात्र–छात्राओं से इन गतिविधियों के चित्र बनाने को कहा। इसके बाद मैंने उनसे कहा कि वे इन चित्रों का अंग्रेज़ी में वर्णन करें।

छात्र–छात्राओं ने कुछ वाक्यों के अंश सुनाए, जिनमें उनके घर की भाषा और अंग्रेज़ी का मिश्रण था, और ध्वनियों के लिए कुछ अर्थहीन शब्दों का उपयोग किया गया था, उदाहरण के लिए:

'Chup chup water'
'Water jump'
'Water hands'
'Ravi pipe water'
'Sapna, water bulbule soap.'

वाक्य अंग्रेज़ी में पूर्ण और सटीक नहीं थे, और कभी–कभी छात्र–छात्राओं ने अर्थहीन शब्दों का उपयोग किया था, लेकिन मैंने इसे स्वीकार किया क्योंकि ये शब्द और ध्वनियाँ उनके लिए अर्थपूर्ण और मज़ेदार थीं। मैंने छात्र–छात्राओं के प्रयासों को स्वीकार किया और जहाँ आवश्यकता हुई, वहाँ उनके वाक्यों को अंग्रेज़ी के पूर्ण वाक्यों के रूप में बदलने में उनकी मदद की। कभी–कभी छात्र–छात्राओं ने ध्वनियों और पर्यावरण को व्यक्त करने के लिए अर्थहीन शब्दों का उपयोग किया और उन्हें इन शब्दों के लिए स्पेलिंग बनानी पड़ी। साथ मिलकर कक्षा ने पानी के बारे में यह कविता तैयार की:

Water says chup chup,
Let's go jump jump.
Let's play with water,
Come my friend, come come,
Without water, I am not happy.

मैंने अन्य विषयों से जुड़ी कविताएँ बनाना जारी रखा। 'transport' की विषय वस्तु पर कक्षा ने रेलगाड़ी की ध्वनियों का उपयोग करके यह कविता तैयार की:

Train at the station,
Koo chuk chuk chuk chuk,
Sapna takes a ride,

Ha ha ha, wah wah wah wah.

कभी–कभी मैं कक्षा की शुरुआत एक छोटे वाक्यांश या शब्द के साथ करता था, जैसे 'little red apple'। मैं छात्र–छात्राओं से इसी पंक्ति पर आगे बढ़ने को कहता था, पहले एक–दूसरे से बात करके और चित्र बनाकर, तथा उसके बाद पूरी कविता तैयार करने के लिए सुझाव प्रस्तुत करके:

Little red apple,
Hmm! So juicy,
See! See! See!
Little drop falling,
Drip drip drip.

मेरे छात्र–छात्राओं ने अंग्रेज़ी में बहुत सारी कविताएँ तैयार कीं। मैंने उन कविताओं और चित्रों को एक फोल्डर में संकलित किया और उनकी बाइंडिंग करके कविता की एक कक्षा पुस्तक तैयार कर दी।

छात्र–छात्राओं ने अपने अभिभावकों को विद्यालय में आने और उनकी कविताएँ पढ़ने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने विद्यालय की असेंबली में अपनी कविताओं का प्रदर्शन भी किया।

(ये कविताएँ दिल्ली में CIE प्रायोगिक बुनियादी विद्यालय, सत्र 2011–12 में कक्षा दो और कक्षा तीन द्वारा तैयार की गई थीं।)

आप भी SCERT, बिहार द्वारा विकसित Blossom part 3 के पाठ संख्या–01 (पेज 5) के पैटर्न का उपयोग कर कक्षा से कविताएँ बनवा सकते हैं।

गतिविधि 5: एक कविता तैयार करना

केस स्टडी 2 के श्री दिनेश के उदाहरण का उपयोग करके अपनी कक्षा के लिए एक कविता अभ्यास की योजना बनाएँ।

छात्र–छात्राओं को कौन–से विषयों या विषय वस्तु में रुचि होगी? कुछ 'help words' के साथ शुरुआत करना याद रखें।

जब आप अपनी योजना कार्यान्वित करते हैं, तो छात्र–छात्राओं द्वारा किए गए योगदान का उपयोग करना याद रखें। छात्र–छात्राओं से उनके विचारों के बारे में बात करने और चित्र बनाने को कहें। आप कविता में स्थानीय नामों और जगहों को शामिल कर सकते हैं।

यदि वे कुछ अर्थहीन शब्द चुनते भी हैं, तो उन्हें 'काम चला लेने दें'। ध्यान रखें कि प्रत्येक पंक्ति के अंत में एक जैसी ध्वनियों वाले शब्द होना हमेशा आवश्यक नहीं है। छात्र–छात्राओं द्वारा बोली गई अंग्रेज़ी में होने वाली त्रुटियों को स्वीकार कर लें, ताकि उनका आत्मविश्वास बढ़े। छात्र ध्वनियों या शोर को दर्शाने वाले शब्दों की स्पेलिंग बना सकते हैं।

उनकी कविताओं का एक फोल्डर संकलित करें, ताकि वे अपने कार्य को दोबारा पढ़ सकें।

क्या इस बात का अवसर मिल सकता है कि छात्र–छात्रा अपनी कविताओं को पाठ के अंत में, या विद्यालय के लिए असेंबली में या अपने अभिभावकों के सामने प्रस्तुत कर सकें? अपने छात्र–छात्राओं की कविताओं के लिए श्रोता देने से उन्हें अंग्रेज़ी बोलने का अभ्यास करने और अपने अंग्रेज़ी के कौशल में आत्मविश्वास पाने का प्रोत्साहन मिलेगा। सुनिश्चित करें कि आपकी कक्षा के सभी छात्र–छात्राएँ असेंबली या प्रदर्शन में भाग लें।

5 सारांश

इस इकाई में आपको तुकबंदी वाले खेलों, गीतों और शब्द खेल का परिचय दिया गया। तुकबंदी और शब्दों के साथ खेलने का एक गंभीर उद्देश्य है। एक समान और अलग अलग ध्वनि पैटर्न और शब्द पैटर्न सुनने और उनमें अंतर कर पाने की क्षमता एक महत्वपूर्ण पठन–पूर्व कौशल है। जिन बच्चों में तुकबंदी वाली कविताओं और कहानियों का अधिक अनुभव होता है, अक्सर वे अभिव्यक्ति के साथ पढ़ पाने में सक्षम होते हैं।

हमें उम्मीद है कि आपने इस बारे में विचार प्राप्त कर लिए हैं कि अंग्रेज़ी में और छात्र–छात्राओं की घर की भाषा में तुकबंदी का उपयोग कैसे किया जाए, ताकि पठन–पूर्व कौशल और भाषा के आनंद को प्रोत्साहित किया जा सके।

प्रारंभिक अंग्रेज़ी हेतु इस विषय में अन्य शिक्षक विकास इकाईयाँ हैं:

- *कक्षा की दिनचर्याएँ*
- *पाठ्यपुस्तक का रचनात्मक ढंग से उपयोग करना*
- *रचनात्मक कलाओं में अंग्रेज़ी सीखना*
- *अंग्रेज़ी के वर्ण और ध्वनियाँ।*

संसाधन

संसाधन 1: कविता सुनाना

By listening to poetry regularly, young students get accustomed to the basic patterns of a language. What is especially useful about poetry in this matter is that it is so easy to store it in one's memory. Small children have to put in no special effort to memorise poetry; just by enjoying it several times and reciting it they make it a part of their permanent collection.

The important question for the teacher is: 'How do I select good poems and where can I find them?' The poems that most primers and textbooks carry are often of a low quality and have little value for the development of language. Similarly, much of the poetry published in Hindi monthly magazines has little worth. Most poems we see in textbooks and magazines are moralistic and dull. They have an artificial sentence structure and vocabulary. They lack the feel of real day-to-day language. This is why they have hardly any value as resources for learning language.

Quite a different kind of poems, are needed for building the foundation of children's reading skills. A selection of such poems in Hindi is given below.

ईलम डील खेलो, आओ खेलो ईलम डील।
गेंद जो उछाली ले के भाग गई चील।
रस्ते में पड़ी एक बहुत बड़ी झील।
जिसके बीचों बीच में थी ऊंची–सी कील।
चील ज्यों ही बैठी उस पर टूट गई कील।
औन्धें मुंह पानी में जाके गिरी चील।
गेंद रही तैरती औ डूब गई चील।
ईलम डील खेलो आओ खेलो ईलम डील।

Nirankar Dev Sewak

बहुत जुकाम हुआ नन्दु को
एक रोज़ वह इतना छींका
इतना छींका इतना छींका
इतना छींका इतना छींका
सब पत्तें गिर गए पेड़ के
धोखा हुआ उन्हें आंधी का

Ram Naresh Tripathi

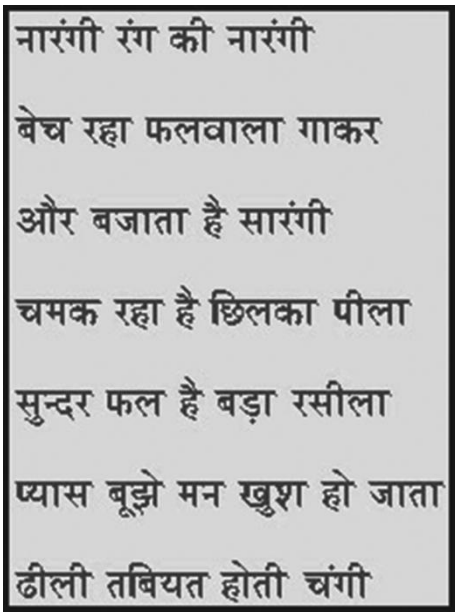

Sudha Chauhan

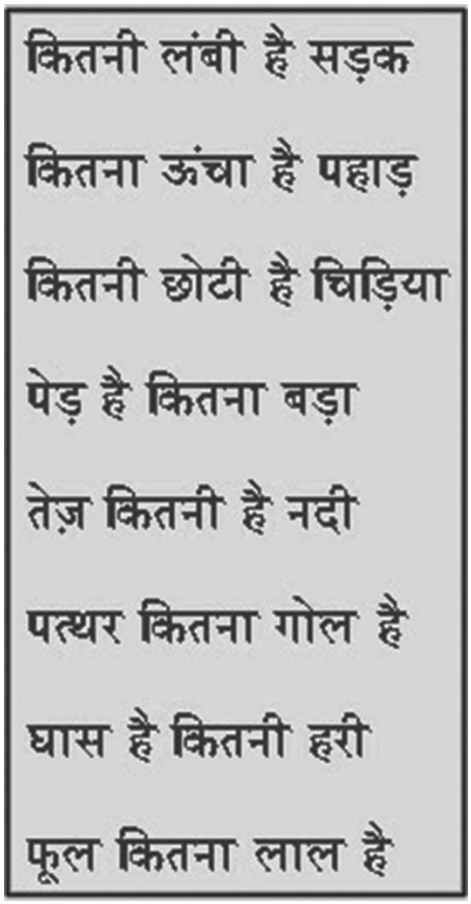

Krishna Kumar

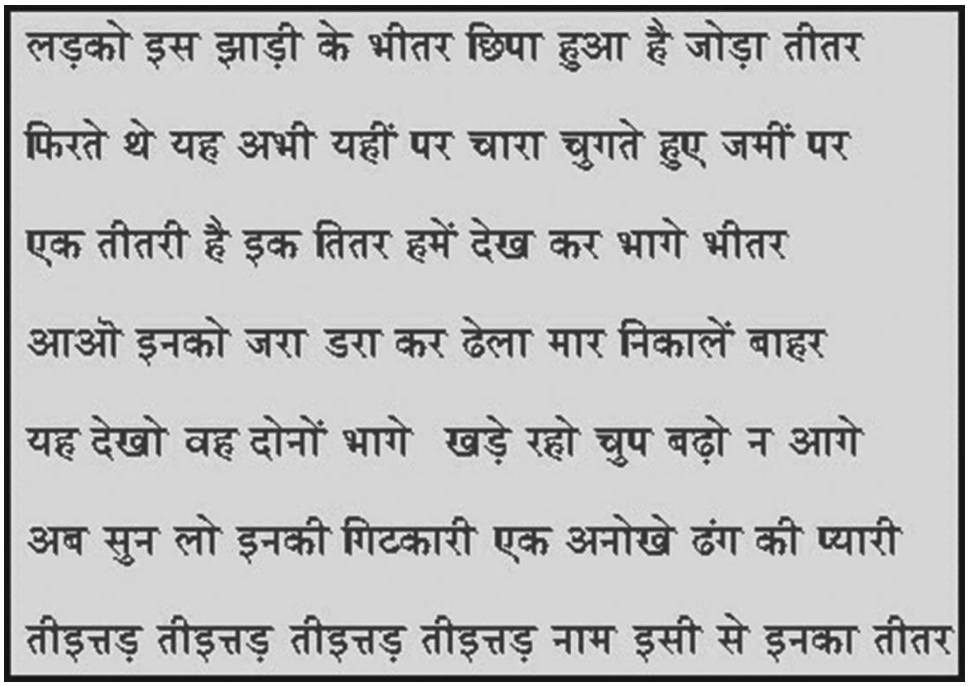
लड़को इस झाड़ी के भीतर छिपा हुआ है जोड़ा तीतर
फिरते थे यह अभी यहीं पर चारा चुगते हुए जमीं पर
एक तीतरी है इक तितर हमें देख कर भागे भीतर
आओ इनको जरा डरा कर ढेला मार निकालें बाहर
यह देखो वह दोनों भागे खड़े रहो चुप बढ़ो न आगे
अब सुन लो इनकी गिटकारी एक अनोखे ढंग की प्यारी
तीइत्तड़ तीइत्तड़ तीइत्तड़ तीइत्तड़ नाम इसी से इनका तीतर

Sridhar Pathak

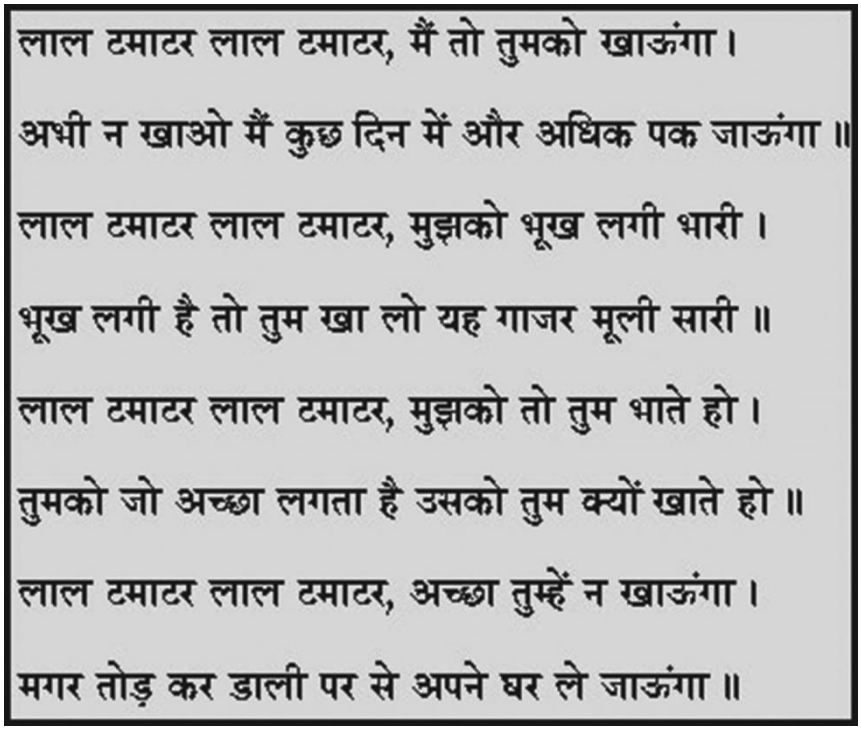
लाल टमाटर लाल टमाटर, मैं तो तुमको खाऊंगा।
अभी न खाओ मैं कुछ दिन में और अधिक पक जाऊंगा॥
लाल टमाटर लाल टमाटर, मुझको भूख लगी भारी।
भूख लगी है तो तुम खा लो यह गाजर मूली सारी॥
लाल टमाटर लाल टमाटर, मुझको तो तुम भाते हो।
तुमको जो अच्छा लगता है उसको तुम क्यों खाते हो॥
लाल टमाटर लाल टमाटर, अच्छा तुम्हें न खाऊंगा।
मगर तोड़ कर डाली पर से अपने घर ले जाऊंगा॥

Nirankar Dev Sewak

एक, दो, तीन, चार
आओ चलें कुतुब मीनार।
पांच, छः, सात, आठ
देखें चल के राजघाट।
नौ, दस, ग्यारा, बारा
चलें चांदनी चौक फव्वारा।
तेरा, चौदा, पन्दा, सोला
कनाट प्लेस में मुर्गा बोला।

Sarveshwar Dayal Saxena

आओ एक बनाएं चक्कर फिर उस चक्कर में इक चक्कर
फिर उस चक्कर में इक चक्कर फिर उस चक्कर में इक चक्कर
और बनाएं जाएं जब तक ऊब न जाएं थक कर।
फिर सब से छोटे चक्कर में म्याऊं एक बिठाएं,
और बाहरी हर चक्कर में चूहों को दौड़ाएं।
दौड़ –दौड़ कर स्भी थकें हम बैठें मारे मक्कर,
नींद लगे हम सो जाएं वे देखें उझक–उझक कर।
आओ एक बनाएं चक्कर।

Sarveshwar Dayal Saxena

कितनी बड़ी दीखती होंगी मक्खी को चीजें छोटी
सागर–सा प्याला भर जल, पर्वत–सी एक कौर रोटी।
खिला फूल गुलदस्ते जैसा कांटा भरी भाला–सा
तालो का सूराख उसे होगा बैरगिया नाला–सा।
हरे भरे मैदान की तरह होगा एक पीपल का पात
पेड़ों के समूह–सा होगा बचा खुचा थाली का भात।
ओस बूंद दरपन–सी होगी बेल समान
सांस मनुज की आंधी–सी करती होगी उसको हैरान।

Thakur Srinath Singh

गोलू के मामा आए सब देख रहे मुंह बाएं।
मुंह उनका है गुब्बारा था किसने उन्हें पुकारा,
नारंगी उनको भाए गोलू के मामा आए।
वे पूरब से हैं आते गोलू से गप्प लड़ाते
हौले से उसे सुला कर फिर पच्छिम को उड़ जाते।
सच बात अगर मैं बोलूं, तो पोल पुरानी खोलूं,
सूरज का फटा पजामा सिलते गोलू के मामा।
पर जाने क्या जादू है रहते हैं सब पर छाए,
सब देख रहे मुंह बाए गोलू के मामा आए।
ये बड़े दिनों में आए झोले में है कुछ लाए
हमको तो पता चले तब जब गोलू हमें खिलाए।
लो दिखा–दिखा नारंगी बन जाते एक बताशा,
यूं सबको देते झांसा करते ये खूब तमाशा।
हर पन्द्रह दिन में कैसे आ जाते बिना बुलाए,
मैं देखे रहा मुंह बाए गोलू के मामा आए।

Ramesh Chandra Shah

Such poems can surely be found in all Indian languages, but the teachers who want to find them will have to search very carefully. They will need to keep their eyes open for playful and natural use of language. Also, purely didactic poems will have to be left out.

One thing that any teacher can easily do is to write out the songs that students sing while playing certain games, such as while skipping, jumping and playing ball. These are traditional rhymes, and it may be difficult to collect them in cities. However, with some effort, we can make our own collections of such songs. The collection can take the form of one or more little books with a song written neatly on each page, along with a suitable picture which can either be made or cut out from a magazine or some other source. It is not always necessary that the picture should accurately portray what the poem says. If the picture simply evokes a mood or scene that is vaguely associated with the poem, this is fine. You can prepare several books by yourself in this manner, each one of about 16 pages, using ordinary white paper if you cannot afford the slightly more expensive drawing paper. If you use drawing paper, the book will last longer and you won't have to prepare the same book each year.

The way to read poetry books is the same as for other books, that is, sitting with a group of students with the book in the middle. After two or three occasions, you can sing the poem aloud without the book and ask students to sing with you. They will be able to sing the poem from memory quite soon if the poem is of good quality. Later, when you read it again from the book, they will anticipate the words given on the pages. Students of six can happily copy out a whole poem on a separate piece of paper or slate, and if they know it by heart by that time, they will have little difficulty recognising individual words after a few days.

(Adapted from Kumar, 1986)

संसाधन 2: जोड़े में कार्य करना

प्रतिदिन की स्थितियों में लोग काम करते हैं, और साथ–साथ दूसरो से बोलते हैं और उनकी बात सुनते हैं, तथा देखते हैं कि वे क्या करते हैं और कैसे करते हैं। लोग इसी तरह से सीखते हैं। जब हम दूसरों से बात करते हैं, तो हमें नए विचारों और जानकारियों का पता चलता है। कक्षाओं में अगर सब कुछ शिक्षक पर केंद्रित होता है, तो अधिकतर छात्र–छात्राओं को अपनी पढ़ाई को प्रदर्शित करने के लिए या प्रश्न पूछने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलता। कुछ छात्र केवल संक्षिप्त उत्तर दे सकते हैं और कुछ बिल्कुल भी नहीं बोल सकते। बड़ी कक्षाओं में, स्थिति और भी बदतर है, जहां बहुत कम छात्र–छात्रा ही कुछ बोलते हैं।

जोड़े में कार्य का उपयोग क्यों करें?

जोड़े में कार्य छात्र–छात्राओं के लिए ज्यादा बात करने और सीखने का एक स्वाभाविक तरीका है। यह उन्हें विचार करने और नए विचारों तथा भाषा को कार्यान्वित करने का अवसर देता है। यह छात्र–छात्राओं को नए कौशलों और संकल्पनाओं के माध्यम से काम करने और बड़ी कक्षाओं में भी अच्छा काम करने का सुविधाजनक तरीका प्रदान करता है।

जोड़े में कार्य करना सभी आयु वर्गों और लोगों के लिए उपयुक्त होता है। यह विशेष तौर पर बहुभाषी, बहुग्रेड कक्षाओं में उपयोगी होता है, क्योंकि एक दूसरे की सहायता करने के लिए जोड़ों को बनाया जा सकता है। यह सर्वश्रेष्ठ काम तब करता है जब आप विशिष्ट कार्यों की योजना बनाते हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए दिनचर्या तय करते हैं कि आपके सभी छात्र–छात्रा सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में शामिल हैं और प्रगति कर रहे हैं। एक बार दिनचर्या तय कर लिए जाने के बाद, आपको पता लगेगा कि छात्र तुरंत जोड़ों में काम करने के अभ्यस्त हो जाते हैं और इस तरह सीखने में आनंद लेते हैं।

जोड़े में कार्य करने के लिए काम

आप सीखने के अभीष्ट परिणाम के आधार पर विभिन्न प्रकार के युग्म–कार्य (pair work) का उपयोग कर सकते हैं। जोड़े में कार्य को अवश्य ही स्पष्ट और उपयुक्त होना चाहिए ताकि सीखने में अकेले काम करने के मुकाबले साथ

मिलकर काम करने में अधिक मदद मिले। अपने विचारों के बारे में बात करके, आपके छात्र–छात्रा अपने आप को और विकसित करने के बारे में सोचने लगेंगे।

जोड़े में कार्य करने में शामिल हो सकते हैं:

- **'विचार करें–जोड़ी बनाए–साझा करें':** छात्र किसी समस्या या मुद्दे के बारे में खुद ही विचार करते हैं और फिर दूसरे छात्र–छात्राओं के साथ अपने उत्तर साझा करने से पूर्व संभावित उत्तर निकालने के लिए जोड़ों में कार्य करते हैं। इसका उपयोग वर्तनी, परिकलनों के जरिये कामकाज, प्रवर्गों या क्रम में चीजों को रखने, विभिन्न दृष्टिकोण प्रदान करने, कहानी आदि का पात्र होने का अभिनय करने आदि के लिए किया जा सकता है।
- **जानकारी साझा करना:** आधी कक्षा को विषय के एक पहलू के बारे में जानकारी दी जाती है; और शेष आधी कक्षा को विषय के भिन्न पहलू के बारे में जानकारी दी जाती है। फिर वे समस्या का हल निकालने के लिए या निर्णय करने के लिए अपनी जानकारी को साझा करने के लिए जोड़ो में कार्य करते हैं।
- **सुनने जैसे कौशलों का अभ्यास करना:** एक छात्र कहानी पढ़ सकता है और दूसरा प्रश्न पूछता है; एक छात्र अंग्रेजी में पैसेज पढ़ सकता है, जबकि दूसरा इसे लिखने का प्रयास करता है; एक छात्र किसीचित्र या डायग्राम का वर्णन कर सकता है जबकि दूसरा छात्र वर्णन के आधार पर इसे बनाने की कोशिश करता है।
- **निम्नलिखित निर्देश:** एक छात्र कार्य पूरा करने के लिए दूसरे छात्र हेतु निर्देश पढ़ सकता है।
- **कहानी सुनाना या रोल प्ले करना:** छात्र जो भाषा वे सीख रहे हैं, उसमें कहानी या संवाद बनाने के लिए जोड़ों में कार्य कर सकते हैं।

सभी को शामिल करते हुए जोड़ों का प्रबंधन करना

जोड़े में कार्य करने का अर्थ सभी को काम में शामिल करना है। चूंकि छात्र–छात्राओं में भिन्नताएँ होती है, इसलिए जोड़ों का प्रबंधन इस तरह से करना चाहिए कि हरेक को जानकारी हो कि उन्हें क्या करना है, वे क्या सीख रहे हैं और आपकी अपेक्षाएं क्या हैं। अपनी कक्षा में जोड़े में कार्य को दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए, आपको निम्नलिखित काम करने होंगे:

- उन जोड़ों का प्रबंधन करना जिनमें छात्र-छात्रा काम करते हैं। छात्र–छात्रा कभी जोड़ों में काम करेंगे; कभी अकेले करेंगे। सुनिश्चित करें कि उन्हें बोध है कि आप उनके सीखने की प्रक्रिया को अधिकतम करने में सहायता करने के लिए जोड़ें तय करेंगे।
- अधिकतम चुनौती पेश करने के लिए, कभी–कभी आप मिश्रित योग्यता वाले और भिन्न भाषायीछात्र–छात्राओं के जोड़े बना सकते हैं ताकि वे एक दूसरे की मदद कर सकें; किसी समय आप एक स्तर पर काम करने वाले छात्र–छात्राओं के जोड़े बना सकते हैं।
- रिकॉर्ड रखें ताकि आपको अपने छात्र–छात्राओं की योग्यताओं का पता हो और आप उसके अनुसार उनके जोड़े बना सकें।
- आरंभ में, छात्र–छात्राओं को पारिवारिक और सामुदायिक संदर्भों से उदाहरण लेकर, जहां लोगएक दूसरे का सहयोग करते हैं, जोड़े में काम करने के फायदे बताएं।
- आरंभिक कार्य को संक्षिप्त और स्पष्ट रखें।
- यह सुनिश्चित करने के लिए कि छात्र जोड़े ठीक वैसे ही काम कर रहे हैं जैसा आप चाहते हैं, उन पर नजर रखें।
- छात्र–छात्राओं को उनके जोड़े में उनकी भूमिकाएं या जिम्मेदारियां प्रदान करें, जैसे कि किसी कहानी से दो पात्र, या साधारण लेबल जैसे '1' और '2', या 'क' और 'ख'। यह कार्य उनके एक दूसरे के सामने–सामने होने से पूर्व करें ताकि वे सुनें।
- सुनिश्चित करें कि छात्र एक दूसरे के सामने बैठने के लिए आसानी से मुड़ या घूम सकें।

जोड़े में कार्य के दौरान, छात्र–छात्राओं को बताएं कि उनके पास प्रत्येक काम के लिए कितना समय है और उनकी नियमित जांच करते रहें। उन जोड़ों की प्रशंसा करें जो एक दूसरे की मदद करते हैं और काम पर बने रहते हैं। जोड़ों को एक–दूसरे के साथ सामंजस्य बैठाने और खुद से हल ढूंढने का समय दें – छात्र–छात्राओं को विचार करने और अपनी योग्यता दिखाने से पूर्व ही जल्दी से उनके साथ घुलने–मिलने का प्रलोभन हो सकता है। अधिकांश छात्र हरेक के बात करने और काम करने के वातावरण का आनंद लेते हैं। जब आप कक्षा में देखते हुए और सुनते हुए घूम रहे हों तो नोट बनाएं कि कौन से छात्र एक साथ सहज रूप से हैं, हर उस छात्र के प्रति सचेत रहें जिसे शामिल नहीं किया गया है, और किसी भी सामान्य गलतियों, अच्छे विचारों या सारांश के बिंदुओं को नोट करें।

कार्य के समाप्त होने पर आपकी भूमिका उनके बीच की कड़ियां जोड़ने की है जिनको छात्र–छात्राओं ने बनाया है। आप कुछ जोड़ों का चुनाव उनका काम दिखाने के लिए कर सकते हैं, या आप उनके लिए इसका सार प्रस्तुत कर सकते हैं। छात्र–छात्राओं को एक साथ काम करने पर उपलब्धि की भावना का एहसास करना पसंद आता है। आपको हर जोड़े से रिपोर्ट लेने की जरूरत नहीं है – इसमें काफी समय लगेगा – लेकिन आप उन छात्र–छात्राओं का चयन करें जिनके बारे में आपको अपने अवलोकन से पता है कि वे कुछ सकारात्मक योगदान करने में सक्षम होंगे और जिससे दूसरों को सीखने को मिलेगा। यह उन छात्र–छात्राओं के लिए एक अवसर हो सकता है जो आमतौर पर अपना विश्वास कायम करने हेतु योगदान करने में संकोच करते हैं।

यदि आपने छात्र–छात्राओं को हल करने के लिए समस्या दी है, तो आप कोई नमूना उत्तर भी दे सकते हैं और फिर उनसे जोड़ों में उत्तर में सुधार करने के संबंध में चर्चा करने के लिए कह सकते हैं। इससे अपने खुद की समझ के बारे में विचार करने और अपनी गलतियों से सीखने में उनकी सहायता होगी।

यदि आप जोड़े में कार्य करने के लिए नए हैं, तो उन बदलावों के संबंध में नोट बनाना महत्वपूर्ण है जिन्हें आप कार्य, समयावधि या जोड़ों के संयोजनों में करना चाहते हैं। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि आप इसी तरह सीखेंगे और इसी तरह अपने अध्यापन में सुधार करेंगे। जोड़े में कार्य का सफल आयोजन करना स्पष्ट निर्देशों और उत्तम समय प्रबंधन के साथ–साथ संक्षिप्त सार संक्षेपण से जुड़ा है – यह सब अभ्यास से आता है।

संसाधन 3: कक्षा के गीत

'तितली, तितली (Butterfly, Butterfly)'

यह कर्नाटक के एक ग्रामीण विद्यालय से भेजा गया था। शिक्षिका पहले सभी बच्चों से एक एक पंक्ति अपने पीछे दोहराने को कहती है। इसके बाद वह छात्र–छात्राओं को समूहों में रखती है और वे बारी–बारी से एक–एक पंक्ति सुनाते हैं। (This was contributed from a rural school in Karnataka. The teacher has children chant each line after her, at first. Then she puts the children into groups and they take turns to say each line.)

आप हर पंक्ति के लिए किन हावभावों का उपयोग करेंगे? क्या आप इस कविता में उपयोग किए गए अन्य 'क्रिया' शब्दों के बारे में सोच सकते हैं? (What gestures would you use for each line? Can you think of other 'action' words to use in this poem?)

Butterfly, butterfly,
Where are you going?

Out in the garden,
Singing, singing,
Dancing, dancing!

Butterfly, butterfly,
What are you doing?

Sucking the nectar,
Flying, flying,

Jumping, jumping!

Our Zoo'

यह लखनऊ के पास स्थित एक ग्रामीण विद्यालय का गीत है, लेकिन आप इसमें अपने गाँव या शहर का नाम रख सकते हैं। शिक्षक और छात्र इसे 'ओल्ड मैकडोनाल्ड हैड अ फार्म' की धुन पर गाते हैं, लेकिन आप अपनी स्वयं की धुन बना सकते हैं। (This is a song from a village school near Lucknow, but you can put in the name of your own town or village. The teacher and students sing it to the tune of 'Old MacDonald Had a Farm', but you can make up your own tune.)

Patna City has a zoo
Ee-ai-ee-ai-oh!

And in this zoo are some tigers
Ee-ai-ee-ai-oh!

A tiger here!
(make a tiger noise, roar and show claws!)

A tiger there!
(roar!)

Here a tiger, there a tiger, Everywhere a tiger!

Patna City has a zoo
Ee-ai-ee-ai-oh!

इसे अलग अलग जानवरों के साथ दोहराएँ, और ध्वनियों व हावभावों का उपयोग करें, उदाहरण के लिएः कुछ बन्दर (खुजलाना और कूदना), कुछ हाथी (सूंड हिलाना), कुछ सिंह, कुछ सांप आदि। (Repeat with different animals, using sounds and gestures, for example: some monkeys (scratch and jump), some elephants (wave trunk), some lions, some snakes, etc.)

The Wheels on the Bus

The wheels on the bus go
Round and round,
Round and round,
Round and round
The wheels on the bus go
Round and round
All through the town

The wipers on the bus go
Swish, swish, swish,
Swish, swish, swish,
Swish, swish, swish
The wipers on the bus go
Swish, swish, swish
All through the town

The horn on the bus goes
Beep, beep, beep,
Beep, beep, beep,
Beep, beep, beep
The horn on the bus goes
Beep, beep, beep,
All through the town

The lights on the bus go
On and off,
On and off,
On and off
The lights on the bus go
On and off,
All through the town

The driver on the bus says,
Sit, sit, sit,
Sit, sit, sit,
Sit, sit, sit'
The driver on the bus says
Sit, sit, sit
All through the town

The people on the bus …
(Make up your own words)

The conductor on the bus …
(Make up your own words)

The wheels on the bus go
Round and round
All through the town
All through the town
All through the town

'एक्शन गीत (Action Song)'

Hop a little, jump a little,
One, two, three;
Run a little, skip a little,
Tap one knee;
Bend a little, stretch a little
Nod your head
Yawn a little, sleep a little
In your bed!

'हलचल (Wiggles)'

I wiggle my fingers,
I wiggle my toes,
I wiggle my shoulders,
I wiggle my nose
Now no more wiggles
Are left in me
And I will be
As still as can be

'अपनी उंगलियाँ नचाओ (Dance Your Fingers)'

(छात्र–छात्राओं से अपने हाव–भाव की नकल करने को कहें – हवा में और शरीर पर उँगलियों को नचाना।) (Have students mimic your actions – dancing fingers in the air and on the body.)

Dance your fingers up,
Dance your fingers down,
Dance your fingers to the side,
Dance them all around
Dance them on your shoulders,
Dance them on your head,
Dance them on your tummy,
And put them all to bed

(सिर को चेहरे के बगल में हाथों पर टिकाएँ।) (Rest head on hands together at side of face.)

अतिरिक्त संसाधन

- Teachers of India classroom resources: http://www.teachersofindia.org/en

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Amritavalli, R. (2007) *English in Deprived Circumstances: Maximising Learner Autonomy*. Department of Linguistics, The English and Foreign Languages University, University Publishing Online: Foundation Books.

Cummins, J. (undated) 'BICS and CALP' (online), Jim Cummins' Second Language Learning and Literacy Development Web. Available from: http://iteachilearn.org/cummins/bicscalp.html (accessed 2 July 2014).

Cummins, J. (2000) *Language, Power, and Pedagogy: Bilingual Children in the Crossfire*. Bristol: Multilingual Matters.

Gibbons, P. (2002) *Scaffolding Language, Scaffolding Learning: Teaching Second Language Learners in the Mainstream Classroom*. Portsmouth: Heinemann.

Krashen, S. (1981) *Second Language Acquisition and Second Language Learning*. Oxford: Pergamon Press.

Krashen, S. (1982) *Principles and Practice in Second Language Acquisition*. Oxford: Pergamon Press.

Kumar, K. (1986) *The Child's Language and the Teacher: A Handbook*. United Nations Children's Fund.

Mohan, B. (1986) *Language and Content*. Reading, MA: Addison-Wesley.

Mohan, B., Leung, C. and Davison, C. (eds) (2001) *English as a Second Language in the Mainstream: Teaching, Learning and Identity*. New York, NY: Longman.

Wells, G. (2003) 'Children talk their way into literacy', published as 'Los niños se alfabetizan hablando' in García, J.R. (ed.) *Enseñar a escribir sin prisas… pero con sentido*. Sevilla, Spain: Publicaciones MCEP. Available from: http://people.ucsc.edu/~gwells/Files/Papers_Folder/Talk-Literacy.pdf (accessed 8 July 2014).

Wells, G. (2009) *The Meaning Makers: Learning to Talk and Talking to Learn*, 2nd edn. Bristol: Multilingual Matters.

अभिस्वीकृतियाँ

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन–शेयरएलाइक लाइसेंस (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा इस परियोजना के लिए लाइसेंस के अंतर्गत ही उपयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons लाइसेंस से कोई वास्ता नहीं है। इसका अर्थ यह है कि इस सामग्री का उपयोग अननुकूलित रूप से केवल TESS-India परियोजना के भीतर किया जा सकता है और किसी भी बाद के OER संस्करणों में नहीं। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का उपयोग भी शामिल है।

इस इकाई में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्न स्रोतों का कृतज्ञतापूर्ण आभारः

संसाधन 1: कुमार के. से निष्कर्षित (1986) *बच्चे की भाषा और शिक्षकः एक हैंडबुक*। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष।
(Resource 1: extract from Kumar, K. (1986) *The Child's Language and the Teacher: A Handbook*)

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन शिक्षक प्रशिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों और छात्र–छात्राओं के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।